जनता दरबार में जिलाधिकारी, नालंदा द्वारा 16 आवेदकों की समस्याओं को सुना गया, साथ ही समस्या निदान हेतु उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

नवबिहार दूत संवाददाता

दैनिक जनता दरबार में जिलाधिकारी, श्री शशांक शुभंकर ने आज 16 लोगों की समस्याओं को सुना तथा समस्याओं के निदान हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए । आवेदक के द्वारा बताया गया कि मेरे जमीन में असामाजिक तत्वों द्वारा दीवार को तोड़कर आने जाने का रास्ता बना दिया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सम्बंधित समस्या निवारण हेतु प्रभारी पदाधिकारी, जिला राजस्व शाखा नालन्दा को निर्देशित किया गया । आवेदक द्वारा बताया गया कि मेरे रैयती जमीन पर जबरन कब्जा कर मकान एवम दुकान बनाने से संबंधित समस्या निष्पादन हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रभारी पदाधिकारी, जिला राजस्व शाखा को निर्देशित किया गया। आवेदक द्वारा बताए गए अतिक्रमण हटाए जाने से संबंधित शिकायत निवारण हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा अपर समाहर्ता, नालंदा को निर्देश दिया। आशानगर के आवेदक के द्वारा बताया गया कि जमाबंदी ऑनलाइन रसीद नहीं होने से संबंधित शिकायत निवारण हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा अंचलाधिकारी बिहारशरीफ को निर्देशित किया गया। आवेदक के द्वारा बताया गया कि मेरे जमीन पर सरकारी अमीन के द्वारा नापी होने के उपरान्त भी कब्जा करने नहीं दिया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सम्बंधित समस्या निष्पादन करने हेतु अंचलाधिकारी सिलाव एवम थाना प्रभारी सिलाव को निर्देश दिया गया। अन्य आवेदनों को भी संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को समस्या निदान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

सार्वजनिक उपयोग की भूमि की जमाबंदी बिना सक्षम कागजात एवं बिना आधार वाद के कायम किए जाने के आरोप में देश दीपक, तत्कालीन राजस्व कर्मचारी, नूरसराय-संप्रति-अंचल कार्यालय, सिलाव को निलंबित किया गया

नवबिहार दूत संवाददाता

नालंदा: शशांक शुभंकर, जिलाधिकारी, नालंदा के द्वारा कार्रवाई के तहत - सार्वजनिक उपयोग की भूमि की जमाबंदी बिना सक्षम कागजात एवं बिना आधार वाद के कायम किए जाने के आरोप में श्री देश दीपक, तत्कालीन राजस्व कर्मचारी, नूरसराय -संप्रति - अंचल कार्यालय, सिलाव को निलंबित किया गया है। सार्वजनिक उपयोग की भूमि की जमाबंदी बिना सक्षम कागजात एवं बिना आधार वाद के कायम किए जाने के आरोप में श्री उदय कुमार, तत्कालीन अंचलाधिकारी, बिहार शरीफ के विरुद्ध प्रपत्र "क" गठित करने का निर्देश भूमि सुधार उपसमाहर्ता, बिहार शरीफ को दिया गया है । श्री धर्मवीर कुमार, तत्कालीन कार्यवाहक लिपिक, अंचल कार्यालय, राजगीर -संप्रति - अनुमंडल कार्यालय, हिलसा को निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया है ।

लापता मासूम का कुएं में मिला शव, पानी निकल रहे व्यक्ति ने देखी लाश, खेलने के दौरान गिर गया था बच्चा

नवबिहार दूत संवाददाता

बिहार शरीफ: नालंदा में गुरुवार से लापता एक मासूम का शव कुएं से मिला। मामला बिंद थाना क्षेत्र के छतरपुर गांव का है। मृतक की पहचान राजू यादव के 3 वर्षीय पुत्र सुधांशु कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि सुधांशु खेलने के लिए गुरुवार को घर से बाहर निकाला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा काफी खोजबीन के बावजूद उसका कहीं अता पता नहीं चल सका। शुक्रवार की सुबह जब गांव के मठ के पास पुजारी ईश्वर यादव कुएं से पानी निकल रहे थे। तो बच्चे का शव देखा। परिजन आशंका का व्यक्त कर रहे हैं कि खेलने के दौरान मासूम कुएं में जा गिरा। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। सुधांशु 6 भाई बहनों में सबसे छोटा था।

वही, इस मामले में बिंद थाना अध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। मूडी के दर्ज कर पुलिस कार्रवाई में जुड़ गई है।

नि:शुल्क शिक्षा प्रारंभ की गई

नवबिहार दूत संवाददाता

नालंदा सोशल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दिल्ली में नि:शुल्क शिक्षा प्रारंभ की गई है। नालंदा सोशल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से गरीब और असहाय बच्चों के लिए यह शिक्षा अभियान शुरू किया गया। संस्था के संस्थापक, आयुष कुमार ने बताया कि आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। इस पहल का उद्देश्य ऐसे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है ताकि वे अपने भविष्य को बेहतर बना सकें। इसके अलावा, नालंदा सोशल चैरिटेबल ट्रस्ट शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य, पशु कल्याण और अन्य सामाजिक क्षेत्रों में भी सक्रिय है। संस्था गरीबों और जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता प्रदान करती है, स्वास्थ्य शिविर आयोजित करती है, और पशुओं की देखभाल और संरक्षण के लिए भी कार्य करती है। ट्रस्ट के सदस्य नियमित रूप से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं जिनमें नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, दवाओं का वितरण, स्वच्छता अभियान और जागरूकता अभियान शामिल हैं। संस्था का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को सहायता प्रदान करना और एक समृद्ध और स्वस्थ समाज का निर्माण करना है।

नालंदा कॉलेज में दीक्षारंभ का आयोजन

नवप्रवेशी छात्रों से नियमित तौर पर कक्षा में आने की अपील, 75% अटेंडेंस अनिवार्य

NALANDA COLLEGE
BIHAR SHARIF, NALANDA (803101)
Internal Quality Assurance Cell (IQAC)
Organises
दीक्षारंभ
A Student Induction Programme
For
UG 2024-28 Students
For Arts Students- 10:30 AM
For Science Students- 12:30 PM
Date- 12 July 2024 (Friday)
Venue- Auditorium, Nalanda College

नवबिहार दूत संवाददाता

नालंदा: कॉलेज में प्रवेश लेने वाले स्नातक विद्यार्थियों को नए परिवेश में सहज महसूस कराने, संस्थान की विशिष्ट प्रकृति तथा संस्कृति को सीखने, अन्य छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ आपसी समन्वय बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को आर्ट्स एवं सायंस के छात्रों के लिये दो सत्रों में कॉलेज ऑडिटोरियम में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ राम कृष्ण परमहंस एवं अन्य शिक्षकों ने दीप प्रज्वलित कर एवं कॉलेज गीत गाकर किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कॉलेज इंस्पेक्टर डॉ कृष्ण नंदन प्रसाद एवं विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग के डीन डॉ कमल प्रसाद बौध उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राम कृष्ण परमहंस ने महाविद्यालय के बारे में विस्तार से छात्रों के बीच चर्चा किया एवं क्लास में 75 प्रतिशत उपस्थिति को आवश्यक बताया। उन्होंने छात्रों को कहा कि कॉलेज हर स्तर पर आपकी मदद एवं आपकी सफलता में योगदान देने को तैयार है लेकिन उसके लिए छात्रों को अनुशासित होकर नियमित क्लास करना होगा। खेल के साथ साथ अन्य क्रियाकलापों में महाविद्यालय के तरफ से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे छात्रों के बारे में भी जानकारी दी एवं सभी के लिए उज्जवल भविष्य की कामना की। मंच संचालन कर रहे आईक्यूएसी के समन्वयक डॉ बिनीत लाल ने कॉलेज के गौरवशाली इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि आने वाले चार साल में आप सभी छात्र भी यहाँ से शिक्षा ग्रहण करके देश और समाज में अपना योगदान दें। उन्होंने एनएसएस, सेहत केंद्र विभिन्न स्टडी सर्किल के कार्यक्रमों और उसके व्यक्तित्व विकास में भूमिका के बारे में भी छात्रों को अवगत कराया। कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल, ओपन जिम, वाईफाई कैंपस, स्मार्ट क्लास, कैंटीन, बैंक, डाकघर, आदि सुविधाओं के बारे में छात्रों को अवगत कराया। कॉलेज में अनुशासन एवं एंटी रैगिंग समिति के बारे में डॉ श्याम सुंदर प्रसाद ने तो वहीं पुस्तकालय में पढ़ने का समय एवं नियम एवं शर्तों के बारे में डॉ अंजनी कुमार ने अपनी बातें रखी। खेलकूद में उपलब्ध संसाधनों एवं परीक्षा संबंधी विषय के बारे में खेल समिति के इंचार्ज डॉ उपेन मंडल ने बताया। भौतिकी विभाग के डॉ शशांक शेखर झा ने कॉलेज में शिकायत निवारण प्रणाली, स्वास्थ्य समिति, प्राव प्रशिक्षण केंद्र एवं इंडस्ट्रियल इंटरफेस सेल के बारे में चर्चा किया। सांस्कृतिक समिति की कन्वेनर डॉ मंजु कुमारी ने कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम से संबंधित उपलब्ध प्लेटफार्म के बारे में बताया तो डॉ भावना ने महिला विकास समिति एवं सेक्सुअल हैरेसमेंट विरोधी समिति के कार्यो के बारे में छात्र छात्राओं को अवगत कराया। रसायनशास्त्र विभाग के अनिर्बन चटर्जी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए कॉलेज के प्लेसमेंट सेल एवं लैंग्वेज लैब की भी जानकारी दी। विषयों के बारे में सभी विभागाध्यक्षों ने अपने अपने विभाग के बारे में बताया जिसमें अंग्रेजी विभाग से प्रो आपी कच्छवे, दर्शनशास्त्र विभाग से डॉ प्रभास कुमार, इतिहास विभाग से डॉ रत्नेश अमन, अर्थशास्त्र विभाग से डॉ चंद्रिका प्रसाद, उर्दू विभाग से डॉ शाहिदूर रहमान, प्राचीन इतिहास विभाग से डॉ कर्ण कुमार, वनस्पति विज्ञान एवं जंतु विज्ञान से डॉ सुमित कुमार ने विषय के बारे में अपनी बातें रखी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नवप्रवेशित छात्रों के साथ-साथ महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ श्रवण कुमार, डॉ प्रशांत कुमार, डॉ ध्रुव कुमार, डॉ प्रीति रानी, डॉ गुड्डी एवं एनएसएस वॉलंटियर्स ने कार्यक्रम में शिरकत किया।

मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक

नवबिहार दूत संवाददाता

कतरीसराय (नालंदा): शुक्रवार स्थानीय थाना के प्रांगण में मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आहुत की गई जिसकी अध्यक्षता पुलिस निरीक्षक मनीष भारद्वाज तथा अंचलाधिकारी धीरज प्रकाश व थाना अध्यक्ष सत्यम तिवारी ने सामूहिक रूप से किया उपस्थित लोगों को संबोधित करते पुलिस निरीक्षक ने कहा कि मुहर्रम पर्व को आप लोग शांतिपूर्ण व भाईचारे के तौर पर मने आप लोग अपने गांव सामाज में ऐसा कोई काम ना करें जिससे किसी की धार्मिक भावना आहत हो और सौहार्द पूर्ण वातावरण खराब हो अगर इस तरह की कहीं भी घटना की सूचना आती है तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा पुलिस शख्ति से निपटने के लिए तौयार बैठा है। इस बात का ख्याल रखा जाए कि कहीं भी माहौल तनाव पूर्ण ना हो।इस मौके पर जिप सदस्य कौशलेंद्र प्रसाद प्रखंड प्रमुख राजीव कुमार उर्फ बउआ जी पूर्व जीप सदस्य रणवीर सिंह जदयू नेता अनूप सिंह जदयु प्रखंड अध्यक्ष रजनीश कुमार मुन्ना सोनू सिंह विकास पासवान मुखिया राम जी पासवान दशरथ चौधरी अखिलेश प्रसाद सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे

पीआरएस लिंक फेल : तत्काल बुकिंग हुई प्रभावित, यात्री परेशान

नवबिहार दूत संवाददाता

राजगीर। यहां के रेलवे स्टेशन आरक्षण काउंटर से शुक्रवार को किसी रेलयात्री को तत्काल टिकट नहीं मिला। इसके कारण रेल यात्रियों को भारी फजीहत हुई है। तड़के सुबह से ही जरूरतमंद लोग को तत्काल टिकट के लिए लाइन में लगे थे। आठ बजे जब आरक्षण काउंटर खुला तो बुकिंग काउंटर द्वारा लिंक फेल होने की सूचना यात्रियों को दी गई। फिर भी लोग लिंक आने की प्रतीक्षा करने लगे। परंतु लिंक नहीं आया। 10 बजे तक एसी तत्काल टिकट लेने वालों को निराशा झेलनी पड़ी। 11 बजे स्लीपर तत्काल टिकट लेने वालों की बारी आई। लोग उम्मीद के साथ कतार में लगे रहे। परंतु इन्हें भी निशाना हीं हाथ लगी। तत्काल टिकट चाहने वाले लोग समय समाप्त होने के बाद भारी मन से वापस हो गये। सूत्रों के अनुसार प्रत्येक दिन आरक्षण टिकट लेने वालों की अच्छी खासी भीड़ सुबह में होती है। लिंक फेल रहने के कारण आरक्षित टिकट लेने वालों को निशान होना पड़ा है। रेलवे सूत्रों के अनुसार रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (क्रिस) में तकनीकी गड़बड़ी होने के कारण सुबह 4:55 से 11:15 तक सर्वर डाउन रहा। जिसके कारण पीआरएस कांउटर पर 11.15 के बाद आरक्षण शुरू हुआ । राजगीर रेलवे स्टेशन पर आरक्षण काउंटर सुबह आठ बजे से शाम आठ बजे तक खुलता है। शनिवार और रविवार को हॉफ टाइम खुलता है। यानि शनिवार और रविवार को दोपहर 2 बजे तक हीं आरक्षण टिकट कटता है। एसी का तत्काल का बुकिंग सुबह 10 बजे से और स्लीपर का तत्काल का बुकिंग 11 बजे से शुरू होता है। तत्काल टिकट लेने वालों की कतार एक दिन पहले शाम से ही लग जाती है। लोग रात भर लाइन में लगकर तत्काल टिकट लेने की प्रतीक्षा करते हैं। यात्री बताते हैं कि रात भर लाइन में रहने के बाद भी तत्काल टिकट नहीं मिल रहा है। तत्काल काउंटर खुलने के तुरंत बाद दो - तीन मिनट में ही टिकट वेटिंग लिस्ट में चला जाता है। रेल यात्रियों की माने तो लम्बी दूरी की गाड़ियों में स्लीपर तत्काल का कोटा घटाकर एसी का कोटा बढ़ा दिया गया है, जिसके कारण आम यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है। रेलयात्रियों ने स्लीपर तत्काल का कोटा बढ़ाने की मांग रेलमंत्री से की है।

पंच पहाड़ियों को गोद लेकर पौधारोपण से बढ़ेगी राजगीर की हरियाली, होगा जलवायु परिवर्तन

▸ राजगीर की पहाड़ियों पर बांज, पीपल, बरगद, नीम पौधारोपण के लिए बने पंचवर्षीय योजना ▸ हेलिकॉप्टर और ड्रोन से होनी चाहिए बीजों का छिड़काव और सिंचाई ▸ छायादार पेड़ लगाने से बदलेगा राजगीर का क्लाइमेट

नवबिहार दूत संवाददाता

राजगीर: पहले राजगीर की पहाड़ियां छायादार पेड़ पौधों से भरा पूरा था। तब जलवायु सामान्य हुआ करता था। पहाड़ी नदियाँ और झरने लोगों की जरूरतों को पूरा करते थे। लेकिन अब वैसा नहीं है। यहां की पहाड़ियां वृक्षविहीन हैं। यही कारण है कि स्थानीय लोगों के साथ सैलानियों को यहां भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। इसका प्रतिकूल प्रभाव पर्यटन पर पड़ता है। यहां की पहाड़ियों पर चौड़ी पत्ती वाले पेड़ों की संख्या नगण्य है। बुजुर्ग लोग बताते हैं कि राजगीर की पहाड़ियों पर पहले पीपल, बरगद, नीम, आम, जामुन आदि छायादार वृक्षों की संख्या बहुतायत थी। अब नहीं है। राजगीर की पहाड़ियों को फिर से छायादार बनाने के लिए मुहिम चलाने की जरूरत है। बांज का पौधारोपण इसलिए जरुरी है कि यह पेड़ वर्षा को आकर्षित करते हैं। पंचवर्षीय योजना बनाकर राजगीर की पंच पहाड़ियों पर बरगद, पीपल, नीम, बांज, आम, जामुन, गुलड़ आदि का बड़े पैमाने पर पौधारोपण करने से अद्भुत परिणाम मिल सकते हैं। ये पेड़ जब बड़े हो जायेंगे तो राजगीर की पहाड़ियां हरियाली से अच्छादित हो जायेगी। इससे केवल पर्यावरण संवर्धन ही नहीं, बल्कि संतुलित तापमान और जलवायु परिवर्तन की भी गुंजाइश है. योजनाबद्ध तरीके से पौधारोपण की है दरकार: पंच पहाड़ियों पर योजनाबद्ध तरीके से छायादार, फलदार, औषधीय आदि पौधारोपण कर राजगीर को नया लुक दिया जा सकता है. इससे केवल राजगीर का जलवायु ही नहीं बदलेगा, बल्कि तापमान में भी गिरावट होगी। सालों मौसम सदाबहार हो सकता है. कहने के लिए नालंदा जिले में 60 फीसदी से अधिक वन क्षेत्र केवल राजगीर के सेंचुरी एरिया में है. बावजूद यहां की पहाड़ियां नंगी हैं। वर्षात में तो यहां की पहाड़ियां हरी भरी दिखती हैं. लेकिन गर्मी के मौसम में यह वृक्षविहीन व नंगी हो जाती है. यहाँ की पहाड़ियां गर्मी के दिनों में केवल आग उगलती है. यहाँ की गर्मी रेगिस्तान जैसी होती है, जो पर्यटन के लिए अनुकूल नहीं है. इससे बचने के लिए यहां की पंच पहाड़ियों पर बीजारोपण और पौधारोपण समय की पुकार है. हेलिकॉप्टर और ड्रोन से पहाड़ियों पर बीजों का छिड़काव और उसकी सिंचाई करने से अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं. यहाँ की पहाड़ियों को गोद लेकर योजनाबद्ध तरीके से पौधारोपण की आवश्यकता है. पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को खुद किसी एक पहाड़ी को गोद लेकर इसकी शुरूआत करनी होगी. पीटीसी और आरटीसी को भी एक-एक पहाड़ी को गोद दी जा सकती है. वहाँ के प्रशिक्षु पदाधिकारी और जवान अपने प्रशिक्षण की स्मृति में एक - एक पौधारोपण करेंगे, तो हजारों पौधारोपण हर साल हो सकता है. इसके उल्लेखनीय परिणाम मिल सकते हैं. राजगीर का प्राकृतिक सौंदर्य यहां के जंगल, पहाड़, प्राकृतिक संपदा है. देश-दुनिया के सैलानियों को यही संपदा आकर्षित करता है. यहाँ की पंच पहाड़ियों के अलग - अलग सांस्कृतिक, प्राकृतिक और अध्यात्मिक महत्व हैं. योजना को मूर्तरूप देने से राजगीर की हरियाली, जलवायु, प्राकृतिक सौंदर्य अद्भुत हो सकता है. जनता बोली: प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के लिए पहाड़ियों पर छायादार, फलदार, औषधीय आदि पौधारोपण आवश्यक है। उसका लाभ प्रकृति के साथ पशु-पक्षियों और जंगली जानवरों को भी मिलेगा. डॉ विश्वेन्द्र कुमार सिन्हा, निदेशक, चक्रपाणि रेसिडेंसियल स्कूल: राजगीर की जलवायु परिवर्तन के लिए पहाड़ियों पर योजनाबद्ध चौड़ी पत्ती वाले पेड़ पौधों का पौधारोपण जरुरी है. इससे तापमान में कमी आयेगी. इसके लिए डीएफओ को पहल करनी चाहिए. धर्मेन्द्र कुमार, सचिव, निभा फामेर्सी कॉलेज: पंच पहाड़ियों को हरित बनाने के लिए 'गोद लो' अभियान आरंभ करनी चाहिए। वन विभाग के अलावे पीटीसी, आरटीसी एवं अन्य को गोद देकर पौधारोपण करने से राजगीर के पर्यावरण और जलवायु पर्यटन अनुकूल हो सकते हैं। डॉ अनिल कुमार, वार्ड पार्षद, नगर परिषद. सौ फीसदी हरियाली के लिए पंचवर्षीय योजना बनाकर राजगीर की पहाड़ियों पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण की जरूरत है. इस योजना को धरातल पर उतारने में पर्यावरण प्रेमियों को भी शामिल करना चाहिए. संजय कुमार सिंह, अध्यक्ष, पेट्रोलियम एसोसिएशन. पंच पहाड़ियों को हराभरा बनाने के लिए पहाड़ों पर पानी रोकने के उपाय करने होंगे। इसके लिए गारलैंड स्ट्रेच योजना बनाना होगा। ड्रोन और हेलिकॉप्टर से बीज गिराने और सिंचाई की व्यवस्था भी अपेक्षित है। डॉ शुभम कुमार, राजगीर. राजगीर के क्लाइमेट अनुकूल होंगे तभी सालों पर्यटक और तीर्थयात्री आ सकेंगे. प्राकृतिक संपदा की सुरक्षा और छायादार एवं वर्षा आकर्षित करने वाले पेड़ पौधों का रोपण जरुरी है. उपेन्द्र कुमार विभूति, प्रदेश अध्यक्ष, एनएचसीएफ. पेड़ पौधों को लगाने और उसे बच्चों की तरह देखभाल करने की जरूरत है। बांज सहित छायादार पेड़ पौधों को लगाने से केवल छाया ही नहीं, बल्कि पर्याप्त ऑक्सीजन भी मिलेंगे। इससे क्लाइमेट परिवर्तन संभव है। सुनील कुमार, निदेशक, नालंदा पब्लिक स्कूल.

जिला स्तरीय पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया

नवबिहार दूत संवाददाता

नालंदा। हरदेव भवन सभागार में जिला आपदा प्रबंधन के तत्वाधान में बिहार राज्य आपदा संसाधन नेटवर्क (BSDRN) के क्रियान्वयन हेतु संबंधित विभाग के जिला स्तरीय पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। श्रीमती शुम्बुल अफरोज, वरीय तकनीकी सहायक, आपदा प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षण के क्रम में बताया गया कि बीएसडीएमए के द्वारा आपदाओं के समय त्वरित एवं प्रभावकारी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए बीएसडीआरएन पोर्टल विकसित किया गया है, इसके प्रयोग को और सरल बनाने हेतु मोबाइल एप (बीएसडीआरएन एप) भी विकसित किया गया है, जिसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है, यह प्रणाली बहुत उपयोगी हो सकती है । किसी भी आपदा के समय इसके क्रियान्वन के संबंध में प्रशिक्षण के दौरान विस्तृत जानकारी दी गई । प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि बिहार मुख्य रूप से ग्रामीण पृष्ठ भूमि के साथ-साथ एक बहु-आपदा प्रवण राज्य है। बिहार की भू-परिस्थिति की संरचना इसे अनेकों आपदाओं के प्रति संवेदनशील बनाती है। यहाँ रहने वाले लाखों लोगों का जीवन इन आपदाओं से प्रभावित होता रहता है।

इस राज्य में विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक एवं मानव-जनित आपदाओं जैसे बाढ़, सुखाड़, भूकम्प, आग, चक्रवात, तूफान, सड़क दुर्घटना, भगदड़, महामारी, नौका दुर्घटनाओं, वज्रपात, तूफान, शीतलहर एवं गर्म हवाओं इत्यादि के कारण समय-समय पर बहुत अधिक जान-माल की क्षति होती है। इस प्रकार बिहार में प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ मानव-जनित आपदाएं और पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी प्रभाव देखने को मिलते हैं। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के कारण तीव्र मौसमीय गतिविधियों में वृद्धि देखने को मिलती है और उसके लिए पर्यावारण संवेदी उपायों को करने की आवश्यकता होती है। आपदा पश्चात किये जाने वाले उपायों से आपदा पूर्व तैयारियों, बेहतर संस्थागत व्यवस्थाओं, अधिक जागरूकता और पहले से अधिक तैयारियों जैसे परिवर्तनों के साथ बिहार एक सुरक्षित राज्य बनने की दिशा में अग्रसर है और आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में देश में अग्रणी होकर उभर रहा है। प्राकृतिक एवं मानव जनित आदाओं के न्यूनीकरण एवं उनके प्रति तैयारियों को संस्थागत रूप देकर अधिक प्रभावशाली बनाने की दिशा में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अग्रसर है। इसी क्रम में प्राधिकरण द्वारा विभिन्न क्षेत्रों का एक Online database, Bihar State Disaster Recourse Network (BSDRN) तैयार किया गया है। BSDRN की स्थापना का उद्देश्य एक ऐसा राज्य स्तरीय database तैयार करना है जो किसी आकस्मिकता या आपदा के प्रबंधन के समय विभिन्न हितभागियों एवं प्रशासन को उपलब्ध संसाधनों की जानकारी प्रदान करेगा। यह जानकारी सभी आपदा प्रबंधकों को विभिन्न स्तर पर उपलब्ध हो सकेगी। BSDRN एक वेब आधारित प्लेटफार्म होगा जो विभिन्न उपकरणों, प्रशिक्षित मानवीय संसाधनों एवं अत्यावश्यक सामग्रियों की जानकारी आपदा रिस्पांस के लिए उपलब्ध करायेगा। इसका प्रमुख उद्देश्य आपदा के समय उपयोग होने वाले उपकरणों एवं मानव संसाधनों आदि के विषय में सही जानकारी उपलब्ध कराना है जिससे कि किसी भी आपदा का सामना किया जा सके। इसके माध्यम से विभिन्न जिलों में विभिन्न आपदाओं के प्रति तैयारियों का अनुमान भी लगाया जा सकेगा। इसके माध्यम से आपदा के तुरन्त बाद के समय (Golden Hour) में लोगों तक प्रभावी रिस्पांस एवं राहत पहुँचा कर उनकी जान बचायी जा सकेगी। BSDRN की कार्य प्रणाली- BSDRN की Online inventory प्राधिकरण की वेबसाइट पर Host की जायेगी। इसमें कोई भी संस्था, संगठन, विभाग या व्यक्ति अपने पास उपलब्ध संसाधन जो बाढ़, सुखाड़, सड़क दुर्घटना, नाव दुर्घटना, भूकम्प आदि आपदाओं के समय त्वरित कार्रवाई के लिए प्रयोग में लाए जाऐंगें को डेटा बेस में अंकित कर सकता है। जिससे की जिस किसी को चाहे वह जिला प्रशासन या कोई अन्य सरकारी संगठन हो अथवा कोई व्यक्ति विशेष हो इसे वेब पोर्टल से खोज कर प्राप्त कर सकता है। संगठन, संस्था या व्यक्ति अपने पास उपलब्ध संसाधन जैसे उपकरण सामग्री आदि को किस कीमत / दर पर देगा वो भी अंकित किया है। अतः आप सभी संस्था संगठन, विभाग या व्यक्ति से यह अपील है कि आपके पास उपलब्ध संसाधन को अपलोड करें एवं दूसरो को भी करने के लिए प्रोत्साहित या प्रेरित करें। इस अवसर पर अपर समाहर्ता आपदा सहित जिला ग्रामीण विकास विभाग, वन प्रमंडल, पंचायती राज विभाग, पशुपालन, सांख्यिकी, आपूर्ति, लोग स्वस्थ अभियंत्रण, पथ प्रमंडल, लघु सिंचाई, भवन प्रमंडल, रेड क्रॉस, अग्निशमन, दूरसंचार, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाढ़ नियंत्रण, आदि विभाग के पदाधिकारीगण उपस्थित थे ।

रामजी सिंह कि मौत आकाशीय बिजली गिरने से हो गयी

नवबिहार दूत संवाददाता

कतरीसराय (नालंदा): स्थानीय थाना क्षेत्र के बरांदी गांव निवासी 48 वर्षीय सच्चिदानन्द सिंह वल्द स्व. रामजी सिंह कि मौत आकाशीय बिजली गिरने से हो गयी है। प्राप्त सामाचार के अनुसार मृतक संध्या के समय अपने मवेशी लाने के लिए भोला थान खंधा गया था इसी दौरान बादल के तेज गर्जना के साथ वर्षा शुरू हो गया। मृतक को कुछ समझ आता इसके पहले अचानक बिजली चमकी और आकाशीय वज्रपात हो गया तथा मौत हो गई

हरेका में ईसीआरकेयू के कर्मी ने मांग को लेकर किया प्रदर्शन

नवबिहार दूत संवाददाता

हरनौत : हरेका परिसर में ईसीआरकेयू के कर्मी ने एआईआरएफ के आह्वान पर शुक्रवार को पुरानी पेंशन की बहाली लेकर प्रदर्शन किया गया। इसकी अध्यक्षता ईसीआरकेयू शाखा के अध्यक्ष महेश कुमार महतो जबकि नेतृत्व शाखा सचिव पूर्णा नन्द मिश्र ने किया। इससे पहले 1960 के हड़ताल में शहीदों के याद में शहीद वेदी पर श्रद्धांजलि अर्पित कर कर्मचारियों को एकजुट होने का आहवान किया। वहीं कार्यकारी अध्यक्ष बच्चा लाल प्रसाद ने कहा कि आज समय है कि बुढ़ापे का सहारा पेंशन के लिए सारा काम छोड़कर संघर्ष करें ताकि बुढ़ापे में सम्मान योग्य जीवन व्यतीत करेंगे। कोषाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र ने पुरानी पेंशन बहाली तक संघर्ष जारी रखने का एलान किया। डीटीजीएम मंजय कुमार ने कहा कि मिडिया के माध्यम से कर्मचारियों के आंदोलन को सरकार कमजोर करने की कोशिश कर रही है । हमलोगों को और चट्टानी एकता के साथ प्रदर्शन करना है। सचिव श्री पूर्णा नन्द ने कहा कि आज का प्रदर्शन पेंशन की दिशा तय करेगा। रेल के नौ लाख एनपीएस धारक रेलकर्मियो के लिए आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। आपका आज का पुरजोर प्रदर्शन सरकार को विवश करेगा की 15 जुलाई को एआईआरएफ के महामंत्री के साथ सरकार की बैठक मे पेंशन सुनिश्चित करेगा तथा 23 जुलाई के बजट मे हमसब का सपना साकार होगा। एआईआरएफ/ ईसीआरकेयू आपकी लडाई को मुकाम तक पहुचाया हैं, निश्चित इसमें सफलता मिलेगी। सचिव श्री मिश्र ने कह कि 11जुलाई रात 12 बजे पूरी देश में भिन्न भिन्न मांगों को लेकर हड़ताल किया गया जिसमें रंजीत कुमार सहित पांच साथी शहीद हुए उन्हीं की याद में आज पुरानी पेंशन बहाली हेतु गेट मीटिंग रखा गया है। उन्होंने याद दिलाया कि रेलवे में पहले कर्मचारी नियमित नहीं थे आंदोलन कर एआईआरएफ ने एक एक मांग को पूरा किया है। जैसे रेलवे में कर्मचारियों को नियमित करना, महंगाई भत्ता, बोनस, वेतन आयोग, सहित कई सुविधाएं संघर्ष कर के पाया है। 2023 में पुरे वर्ष हर महीने के 21 तारीख को आंदोलन किया गया, 10 अगस्त को लाखों की संख्या में कर्मचारी दिल्ली कूच किया, सरकार इसके बाद हरकत में आई और कमिटी का गठन किय। आज के मिटींग का दबाव ही है कि 15 जूलाई को केन्द्र सरकार ने पुरानी पेंशन बहाली पर विचार हेतु जेएफआर ओपीएस को मिटींग बुलाया है। निश्चित रूप से अच्छा परिणाम आना चाहिए। लोकसभा के बजट सत्र में घोषणा पुरानी पेंशन बहाली की सरकार को करने की मांग की। इसके अतिरिक्त उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि ईसीआरएमयू के महामंत्री कामरेड बीके सिंह ने इसीआरकेयू में विलय कर दिए हैं । साथ ही साथ उन्होंने अपने कर्मियों व समर्थक से अनुरोध किया है कि इस संघ को मजबूत करें। श्री मिश्र ने भी इस संघ से जुडने की बात कही।

कहा बहुत जल्द एक कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। इस प्रदर्शन में रंजीत, प्रमोद, विपीन, पवन, मृत्युंजय, अशोक, कृष्ण, अंबुज, अखिलेश, सत्यनारायण, विनय, विपीन, राजेश, सतीश, सुरेश समेत अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक और मुद्रक अमरजीत मौआर द्वारा भारती प्रिंटिंग प्रेस चंडी, नालंदा, पिन कोड 803108 से मुद्रित एवं ग्राम पोस्ट चंडी, नालंदा से प्रकाशित-प्रसारित, फोन -09473293572, 9572478372 , ईमेल: navbihardoot@gmail.com, BIHHIN/2019/78160